25 नवंबर, 2009

26/11 की वर्षगांठ पर अमेरिकी राजदूत का वक्तव्य

हम आज मुंबई में एक साल पहले हुए आतंकवादी हमलों के शिकार लोगों को याद कर उन्हें सम्मान दे रहे हैं। हम उन बहुत से पुरुषों और महिलाओं की बहादुरी को याद करते हैं जिन्होंने दूसरे लोगों को बचाने के लिए अपना जीवन खतरे में डाला। इस बार गर्मियों में ताजमहल होटल में ठहरने के दौरान मैंने व्यक्तिगत तौर पर बहुत से लोगों की साहसिक गाथाएं सुनीं।

हम सबको आतंकवाद के विश्वव्यापी संकट के मुकाबले और सभी के लिए सकारात्मक अवसरों के निर्माण के लिए, शिक्षा, रोज़गार, स्वास्थ्य, औा समृद्धता के अवसरों के लिए, उसी भावना के साथ मिलकर काम करना होगा। आतंकवादी जिस हिंसक दुनिया को बढ़ावा देना चाहते हैं, हमें उसके खिलाफ मिलकर आवाज उठानी होगी।

अमेरिका जहां भी आतंकवाद की घटना होती है, उसके मुकाबले के लिए भारत के साथ भागीदारी में कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। अब हम असाधारण साझेदारी और सहयोग कर रहे हैं और हर दिन इस हिंसा के खिलाफ मिलकर काम कर रहे हैं। महात्मा को याद करते हुए जिन्होंने हम सबका आह्वान किया कि ''हम दुनिया में जो परिवर्तन देखना चाहते हैं, उसकी खुद शुरुआत करें,'' हम ऐसी शांतिपूर्ण दुनिया

बनाने के लिए काम जारी रखेंगे जहां सभी नागरिक शांति के साथ सहिष्णु और सुरक्षित समाजों में रह सकें।